भारत - ब्रुनेई संबंध

राजनीतिक

भारत और ब्रुनेई के बीच संपर्क ऐतिहासिक हैं तथा सांस्कृतिक जड़ें मलेशिया प्रायद्वीप एवं इंडोनेशिय द्वीप समूह के साथ भारत के संबंधों तक फैली हुई हैं।

भारत और ब्रुनेई के राजनयिक संबंध मई, 1984 में स्थापित हुए। राजनयिक संबंधों को स्तरोन्नत करने में रूचि चोगम बैठकों आदि में स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी तथा ब्रुनेई के सुल्तान के बीच मैत्रीपूर्ण बैठकों में शुरू हुई। प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी के निमंत्रण के जवाब में ब्रुनेई के सुल्तान ने सितंबर, 1992 में भारत का राजकीय दौरा किया तथा 18 मई, 1993 को ब्रुनेई में रेजीडेंट भारतीय राजनयिक मिशन खोला गया। ब्रुनेई ने 12 अगस्त, 1992 को भारत में अपना उच्चायोग स्थापित किया। दोनों देशों के संयुक्त राष्ट्र, गुट निरपेक्ष आंदोलन, राष्ट्रमंडल, ए आर एफ आदि के सदस्य होने की वजह से तथा मजबूत परंपरागत एवं ऐतिहासिक संबंधों वाले विकासशील देश होने के नाते भारत और ब्रुनेई के बीच प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर धारणाओं में काफी हद तक समानता पाई जाती है। ब्रुनेई भारत की 'पूरब की ओर देखो नीति' का समर्थन करता है, 'पूरब में काम करो नीति' तथा आसियान के साथ सहयोग के विस्तार एवं गहन होने का स्वागत करता है। ब्रुनेई जुलाई 2012 से जुलाई 2015 तक भारत - आसियान समन्वयक था।

ब्रुनेई के सुल्तान की मई, 2008 में भारत यात्रा भारत - ब्रुनेई संबंधों के विकास में बहुत बड़ी उपलब्धि थी। इस यात्रा के दौरान पांच एम ओ यू / करारों पर हस्ताक्षर किए गए थे (i) निवेश के पारस्परिक संवर्धन एवं संरक्षण पर करार; (ii) सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी में सहयोग पर एम ओ यू; (iii) संस्कृति, कला एवं खेल के क्षेत्रों में सहयोग पर एम ओ यू; (iv) संयुक्त व्यापार समिति की स्थापना पर एम ओ यू; (v) उपग्रह के लिए टेलीमेट्रिक ट्रैकिंग एवं टेलीकॉम स्टेशन के प्रचालन तथा अंतरिक्ष अनुसंधान विज्ञान एवं अनुप्रयोग के क्षेत्र में सहयोग के लिए प्रक्षेपण वाहनों में सहयोग पर एम ओ यू का नवीकरण। 20-21 दिसंबर, 2012 को नई दिल्ली में आयोजित आसियान - भारत संस्मारक शिखर बैठक में सुल्तान ने भाग लिया। प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में एक भारतीय शिष्टमंडल ने 9-10 अक्टूबर, 2013 को ब्रुनेई में आयोजित 11वीं आसियान - भारत शिखर बैठक तथा आठवीं ई ए एस शिखर बैठक में भाग लिया। यह भारतीय प्रधानमंत्री के स्तर पर ब्रुनेई की पहली यात्रा थी। सुल्तान ने नवंबर 2014 में म्यांमार में आसियान शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की।

भारत के माननीय उप राष्ट्रपति की 1 एवं 3 फरवरी, 2016 के दौरान ब्रुनेई यात्रा भारत के माननीय उप राष्ट्रपति की ब्रुनेई यात्रा भारत की ओर से ब्रुनेई की सर्वोच्च स्तर पर द्विपक्षीय यात्रा थी। माननीय उप

राष्ट्रपति ने महामहिम सुल्तान से मुलाकात की तथा क्राउन प्रिंस एवं ब्रुनेई की विधान परिषद के स्पीकर के साथ बैठकें की। इस यात्रा के दौरान रक्षा सहयोग, स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग तथा युवा मामले एवं खेल में सहयोग के लिए एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए। माननीय उप राष्ट्रपति जी ने ब्रुनेई दारुस्सलम विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान दिया जिसका शीर्षक "भारत-ब्रुनेई, शांति और समृद्धि के साझेदार" था। उच्चायुक्त ने भारत के माननीय उप राष्ट्रपति जी के सम्मान में भारतीय समुदाय की ओर से एक स्वागत समारोह का आयोजन किया था।

पिछले पांच वर्षों के दौरान, भारत की ओर से मंत्री स्तर पर ब्रुनेई की यात्राएं इस प्रकार हैं : प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्री वायलर रवि ने दिसंबर, 2009 में ब्रुनेई का दौरा किया; पर्यटन राज्य मंत्री श्री सुल्तान अहमद ने आसियान पर्यटन फोरम (ए टी एफ) 2010 में भाग लेने के लिए जनवरी, 2010 में ब्रुनेई का दौरा किया; विदेश राज्य मंत्री श्री ई अहमद और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री आर पी एन सिंह ने सितंबर, 2011 में ब्रुनेई का दौरा किया। विदेश मंत्री श्री एस एम कृष्णा ने 19 और 20 अक्टूबर, 2012 को ब्रुनेई का दौरा किया। ऐसा पहली बार था जब विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय यात्रा पर ब्रुनेई का दौरा किया। विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद ने आसियान - भारत मंत्री स्तरीय पश्चात सम्मेलन / बीसवें आसियान क्षेत्रीय फोरम (ए आर एफ) और तीसरी पूर्वी एशिया शिखर बैठक (ई ए एस) विदेश मंत्री बैठक में भाग लेने के लिए 28 जून से 2 जुलाई, 2013 के दौरान ब्रुनेई का दौरा किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री आनंद शर्मा के नेतृत्व में एक भारतीय शिष्टमंडल ने 17 से 21 अगस्त, 2013 के दौरान ब्रुनेई में 11वीं आसियान वित्त मंत्री बैठक में भाग लिया। शिष्टमंडल ने आसियान - भारत टी एन सी तथा एस ई ओ एम तैयारी बैठकों में भी भाग लिया। रक्षा एवं युवा कार्यक्रम तथा खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जितेंद्र प्रसाद ने 28-29 अगस्त, 2013 को ब्रुनेई में दूसरी आसियान रक्षा मंत्री बैठक प्लस में भाग लिया। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा कानून एवं न्याय मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय शिष्टमंडल ने 10-11 सितंबर, 2014 को ब्रुनेई में आयोजित एशिया - प्रशांत टेक्नोकम्युनिटी आई सी टी मंत्री स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए ब्रुनेई का दौरा किया।

अन्य यात्राएं :

भारत ने 2009 एवं 2011 में ब्रुनेई दारूस्सलम अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा प्रदर्शनी एवं सम्मेलन (बी आर आई डी ई एक्स) में भाग लिया। भारतीय नौसेना के दो पोतो - आई एन एस रणवीर और आई एन एस ज्योति ने सद्भावना यात्रा पर मई, 2011 में ब्रुनेई का दौरा किया। भारतीय तट रक्षक पोत - सागर, जो तट रक्षक बल का पहला पोत है, ने 27 से 30 जून, 2011 के दौरान ब्रुनेई का दौरा किया जबकि आई एन एस ऐरावत ने रॉयल ब्रुनेई सशस्त्र बल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर पहली ब्रुनेई अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा में भाग लेने के लिए 4 से 9 जुलाई, 2011 के दौरान ब्रुनेई का दौरा किया। ब्रुनेई की पोत - 'के डी बी दारूलामन' - ने मिलन -2012 (अंडमान) में भाग लिया। यह उल्लेखनीय है क्योंकि पहली बार ब्रुनेई

की किसी नौसैन्य पोता ने दक्षिण चीन सागर के बाहर कदम रखा था। ब्रुनेई के उप रक्षा मंत्री ने डिफेक्सो प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए 2010 एवं 2012 में भारत का दौरा किया तथा रक्षा मंत्री एवं उप रक्षा मंत्री से मुलाकात की। आईएनएस घड़ियाल ने 10 से 22 जून, 2013 के दौरान ब्रुनेई में आसियान प्लस मानवीय सहायता तथा आपदा राहत एवं चिकित्सा दवा अभ्यास (एच ए डी आर एंड एम एम एक्स) में भाग लिया। वाइस एडमिरल अनिल चोपड़ा, एफ ओ सी (ईस्टर्न नेवल कमांड) ने भी एच ए डी आर एंड एम एम अभ्यास के सिलसिले में ब्रुनेई का दौरा किया। आई सी जी एस सागर ने सद्भावना यात्रा पर 9 से 12 मार्च, 2014 के दौरान पुन: ब्रुनेई का दौरा किया। भारतीय नौसेना की सप्लाई पोत - आई एन एस शक्ति ने 8 से 11 अगस्त, 2014 के दौरान ब्रुनेई की सद्भावना यात्रा की। वाइस एडमिरल सतीश सोनी, एफ ओ सी ईस्टर्न कमांड, भारतीय नौसेना ने इस यात्रा के समय पर ब्रुनेई का दौरा किया।

विदेश एवं व्यापार मंत्री पेहिन लिम जॉक सेंग के नेतृत्व में ब्रुनेई के एक शिष्टमंडल ने नई दिल्ली में 18 से 20 दिसंबर 2012 के दौरान आयोजित दूसरे भारत - आसियान व्यापार मेले में भाग लिया जिसमें भारत - ब्रुनेई मैत्री संघ (बी आई एफ ए) के अध्यक्ष पेहिन मेहदिनी तथा ब्रुनेई में भारतीय वाणिज्य चेंबर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष श्री नजीर अहमद शामिल थे।

विदेश एवं व्यापार मंत्रालय में स्थाई सचिव (आसियान) दातो एरिवान ने 6-7 मार्च, 2014 को नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली वार्ता VI में ब्रुनेई का नेतृत्व करने के लिए भारत का दौरा किया। भारत - आसियान छात्र विनिमय कार्यक्रम के तहत ब्रुनेई के 25 छात्रों ने 9 से 18 नवंबर, 2014 के दौरान भारत का दौरा किया तथा वे आगरा, मुंबई, हैदराबाद एवं नई दिल्ली घूमने गए।

7 और 8 मार्च 2015 को ब्रुनेई दारुस्सलम में विदेश एवं व्यापार मंत्रालय (एम ओ एफ ए टी) में आयोजित परामर्श बैठकों के लिए श्री अनिल बाधवा, सचिव (पूर्व) ने ब्रुनेई का दौरा किया। भूटान, जापान, म्यांमार और तंजानिया से चार अधिकारियों सहित श्री ए त्रिपाठी, आई ए एस, वरिष्ठ निर्देशन स्टाफ (एस डी एस) के नेतृत्व में भारत के राष्ट्रीय रक्षा कालेज (एन डी सी) से 16 वरिष्ठ अधिकारियों के एक शिष्टमंडल ने 18 से 21 मई 2015 के दौरान ब्रुनेई दारुस्सलम का दौरा किया। रॉयल ब्रुनेई सशस्त्र बल (आर बी ए एफ) कमांड और स्टाफ कोर्स - 5 (सी एस सी - 5) से एक शिष्टमंडल ने अपने वार्षिक अध्ययन दौरे के अंग के रूप में 10 से 17 मई 2015 के दौरान भारत का दौरा किया।

भारत दौरा लांच किए गए जी एस एल वी / पी एस एल वी उपग्रहों के पथ की ट्रैकिंग के सिलसिले में इसरो की 6 टीमों ने अगस्त 2015 से फरवरी 2016 के दौरान ब्रुनेई का दौरा किया है।

2011 में बाली में 9वीं आसियान - भारत शिखर बैठक के अनुसरण में ब्रुनेई के 15 छात्रों ने 6 से 15 सितंबर 2015 के दौरान हैदराबाद, दिल्ली और आगरा का दौरा किया।

अपर सचिव श्री अरविंद मेहता के नेतृत्व में वाणिज्य मंत्रालय के एक शिष्टमंडल ने 15 से 19 फरवरी 2016 के दौरान क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आर सी ई पी) की व्यापार वार्ता बैठकों से जुड़ी 11वीं बैठक में भाग लिया।

ब्रुनेई के दो पत्रकारों ने आसियान - भारत मीडिया विनिमय कार्यक्रम के तहत आसियान देशों से वरिष्ठ पत्रकारों के लिए परिचय कार्यक्रम के तहत दिल्ली वार्ता 8 के अवसर पर 16 से 23 फरवरी 2016 के दौरान भारत का दौरा किया।

वाणिज्यिक

डीजीसीआईएस कोलकाता के अनुसार पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत और ब्रुनेई के बीच व्यापार के आंकड़े यहां नीचे दिए गए हैं :

(मूल्य मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	भारत से ब्रुनेई को निर्यात (मिलियन अमरीकी डालर)	ब्रुनेई से भारत द्वारा आयात (मिलियन अमरीकी डालर)	कुल व्यापार
2012-13	40.02 (-95.53 प्रतिशत)	814.80 (-34.68 प्रतिशत)	854.82 (-43.03 प्रतिशत)
2013-14	32.45 (-18.91 प्रतिशत)	763.60 (-6.28 प्रतिशत)	796.05 (-7.38 प्रतिशत)
2014-15*	41.97 (+29.33 प्रतिशत)	840.85 (+10.11 प्रतिशत)	882.82 (+10.90 प्रतिशत)

*आज तक की स्थिति के अनुसार

ब्रुनेई से भारत द्वारा जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से हर साल लगभग 800 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य का कच्चा तेल शामिल है। भारत से निर्यात का स्तर कम होने का कारण मुख्य रूप से यह है कि पोत परिवहन की लागतें अपेक्षाकृत अधिक हैं तथा ब्रुनेई की आबादी मात्र 422,000 है। मांग का आकार छोटा होने की वजह से भारत से अधिकांश उपभोक्ता माल ब्रुनेई में मलेशिया एवं सिंगापुर के माध्यम से पुनर्निर्यात के जरिए प्राप्त होते हैं। सेवा क्षेत्र में उत्तरोत्तर अधिक संख्या में भारतीय जनशक्ति ब्रुनेई आ रही है जिनमें अत्यधिक कुशल पेशेवर तथा कुशल / अर्ध कुशल मजदूर शामिल हैं।

सांस्कृतिक

निगारा ब्रुनेई दारूस्सलम अर्थात "ब्रुनेई राज्य - शांति का निवास स्थान" या ब्रुनेई दारूस्सलम या केवल ब्रुनेई दुनिया में सबसे पुराने सतत रूप से चले आ रहे साम्राज्यों में से एक है तथा सीमित कार्यपालक साम्राज्यों में से एक है। इसका सबसे पुराना ज्ञात इतिहास छठवीं शताब्दी का है जब ब्रुनेई को 'पुनी' (संभवत: संस्कृत के बरूनी का अपभ्रंश) या 'पोली' कहा जाता था। उस समय ब्रुनेई हिंदू - बौद्ध साम्राज्य था तथा इस क्षेत्र के विख्यात श्री विजय तथा मजापाहित साम्राज्यों के अलावा चीन से भी इसके संबंध

थे। 14वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में, ब्रुनेई एक इस्लामी सल्तनत के रूप में परिवर्तित हुआ जब इसके शासन अवांग अलक बेटाटर ने मलक्का की मुस्लिम राजकुमारी जोहोर से शादी कर ली तथा इस्लाम कबूल कर लिया और ब्रुनेई का पहला सुल्तान - मुहम्मद शाह बना। अनेक रीति रिवाजों, परंपराओं एवं संस्कृति का भारतीय संस्कृति से जुड़ाव है। बालीवुड के फिल्म स्टार, मूवी एवं फिल्मी संगीत भी बहुत लोकप्रिय हैं।

आसियान - भारत वार्ता की 20वीं वर्षगांठ तथा आसियान - भारत शिखर बैठक की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर ब्रुनेई में 30 नवंबर, 2012 को एक मणिपुरी नृत्य मंडली ने अपनी कला का प्रदर्शन किया जिसमें प्रीति पटेल और अंजिका ग्रुप ने भाग लिया। आसियान और भारत के कलाकारों की कलाकृतियों को प्रदर्शित करने के लिए एक आसियान - भारत कलाकृति 'मर्जिंग मेटाफर' का आयोजन 6 से 13 दिसंबर, 2012 के दौरान वाटर फ्रंट गैलरी, बंडार सेरी बेगावन में किया गया। भारतीय नेवल सेल ट्रेनिंग शिप सुदर्शनी ने 21 से 24 नवंबर, 2012 के दौरान ब्रुनेई में पोर्ट कॉल किया तथा ब्रुनेई की 9 सदस्यीय टीम ने आसियान - भारत कार रैली में भाग लिया। दिसंबर, 2012 में, संस्मारक शिखर बैठक के दौरान गाला डिनर महोत्सव में ब्रुनेई से एक सांस्कृतिक मंडली ने भाग लिया।

भारतीय समुदाय :

1929 में ब्रुनेई में तेल की खोज होने से हाइड्रोकार्बन क्षेत्र एवं संबद्ध सेवाओं में काम करने के लिए अनेक भारतीय ब्रुनेई आ गए। श्री मोहिंदर सिंह, जो अब ब्रुनेई के नागरिक हैं, को 2010 में सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार (पी बी एस ए) से नवाजा गया। बंडार सेरी बगावन में भारतीय संघ तथा कुआला बेलैत में भारतीय संघ बहुत सक्रिय हैं तथा गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, दिवाली, पोंगल, ओणम तथा अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों को नियमित रूप से समय समय पर आयोजित कर रहे हैं। ब्रुनेई में डॉक्टरों के अधिकांश भारत से हैं। अन्य पेशेवरों में इंजीनियर, आई टी प्रोफेशनल, बैंकर, शिक्षक आदि शामिल है। टेक्सटाइल के क्षेत्र में भारतीय कारोबारियों का लगभग अच्छी खासी मौजूदगी है। ब्रुनेई में टेक्सटाइल के कारोबार में 30 ब्रुनेई में लगभग 11,000 भारतीय नागरिक रह रहे हैं और काम कर रहे हैं।

भारतीय वाणिज्य चैंबर तथा ब्रुनेई - भारत मैत्री संघ (बी आई एफ ए) भी विभिन्न सांस्कृतिक एवं कारोबारी गतिविधियों का आयोजन कर रहे हैं। ब्रुनेई - भारत मैत्री संघ (बी आई एफ ए) के अध्यक्ष एक स्थानीय मलय श्री पेहिन मेहदिनी हैं जो पहले रक्षा प्रमुख हुआ करते थे, जो चीन में ब्रुनेई के राजदूत भी रह चुके हैं। बी आई एफ ए के अन्य सदस्यों में दातो अदनान हाजी बुंटार शामिल हैं जिन्होंने भारत में ब्रुनेई के पहले रेजीडेंट उच्चायुक्त के रूप में काम किया था।

भारतीय उच्च आयोग ने सरिया (जो बंडार सेरी बगावन से 130 किलोमीटर दूर है) में इंडियन एसोसिएशन ऑफ बेलैत के समर्थन से 16 जनवरी 2016 को प्रवासी भारतीय दिवस (पी बी डी) 2016

और विश्व हिंदी दिवस 2016 मनाया। इन दोनों समारोहों में भारतीय समुदाय के 200 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, ब्रुनेई की वेबसाइट :
www.hcindiabrunei.org.bn
भारतीय उच्चायोग, ब्रुनेई का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/HCIBRUNEI?ref=hl

*****

फरवरी 2016